**प्रतिवादी के जवाबदावे के सम्बन्ध में वादी की ओर से प्रति उत्तर**

**(Reaplication on behalf of plaintiff of the written statement of defendant)**

न्यायालय........

वाद नंबर ............ सन् ......

अ०ब०स० ........... वादी

**बनाम**

स० द० फ० ............ प्रतिवादी

सुनवाई की तिथि......

श्रीमान जी,

प्रार्थी/वादी निम्न प्रकार मूल आपत्तियों का उत्तर प्रेषित कर रहा है :

1. यह कि मूल आपत्तियों का पैरा 1 गलत है इसलिए अस्वीकार है। यह भी अस्वीकार किया जाता है कि वादी मान्य न्यायालय के सम्मुख सत्य और सही तथ्यों के साथ नहीं आया है और उसके द्वारा ठोस तथ्यों को छिपा लिया गया है।
2. . यह कि पैरा नं० 2 की विषय वस्तु गलत दर्शाई गई है जो अस्वीकार की जाती है। यह भी अस्वीकार है कि प्रस्तुत वाद पत्र में वाद हेतुक (cause of action) विद्यमान नहीं है । यह निवेदन है कि प्रस्तुत वाद पत्र में विधिवत वाद हेतुक मौजूद है और इसी आधार पर वादी द्वारा वर्तमान वाद दायर किया गया है।

**गुण दोष के आधार पर उत्तर -**

1. यह कि जवाबदावे के पैरा 1 की विषय वस्तु का उत्तर देने की आवश्यकता नहीं है चूंकि उसे प्रतिवादी द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।
2. यह कि जवाबदावे का पैरा नम्बर 2 गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र का तदनुरूपी परा सही है जिसकी पुष्टि की जाती है । इस बात की भी पुष्टि की जाती है कि वादी द्वारा करार पर दबाव में हस्ताक्षर किये गये थे। अन्य आरोप मिथ्या हैं और निराधार हैं । अत: अस्वीकार है। यह कहना भी सही नहीं हैं कि करार की विषय वस्तु वादी पर बाध्यकारी है। वास्तव में उक्त करार भारतीय संविदा अधिनियम की धारा 23 के विपरीत है जो वादी की स्वेच्छा से हस्ताक्षरित नहीं है। यह भी पुष्टियुक्त है कि सेवा की सभी शर्ते नियुक्ति पत्र में निहित हैं और सर्विस का कार्यभार लेने के बाद प्रतिवादी द्वारा वादी को करार पर हस्ताक्षर करने के लिए बाध्य किया गया। वादी द्वारा कथित करार पर ठीक उसी समय अपना प्रतिरोध अंकित कर दिया गया था जिसे इस सम्बन्ध में कृपा करके अवलोकित करने का कष्ट करें।
3. यह कि जवाबदावे का पैरा 3 गलत है जो अस्वीकार है । वाद पत्र का तदनुरूपी पैरा सही है जिसकी पन: पष्टि की जाती है। यह कहना गलत है कि सेवा से पृथक किया जाना सेवा नियमों के आधीन है। इस परिपक्ष्य में नियुक्ति पत्र का कृपया अवलोकन करने का कष्ट करें।
4. यह कि जवाब दावे का पैरा नंबर 4 गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र का तदनरूपी परा सही है जिसकी पुष्टि की जाती है। इस बात की पुष्टि की जाती है कि दिनांक ............ को संविदा पर जोर और दबाव में हस्ताक्षर कराये गये थे । नियुक्ति पत्र के होते हुए ऐसे किसी करार की आवश्यकता नहीं थी जिसमें सेवा सम्बन्धी सभी शर्ते निहित हैं। यह कहना गलत है कि वाटी का सेवा से पृथक किया जाना नियमानुकूल था या प्रतिवादी कम्पनी का कार्यकर्ता ही नहीं रहा है।
5. यह कि जवाबदावे का पैरा 5 गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र का तदनुरूपी पैरा सही है और पुष्टियुक्त है।
6. यह कि जवाबदावे का पैरा नंबर 6 गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र का तदनरूपी पैरा सही है जो पुष्टियुक्त है। यह भी पुष्टियुक्त है कि प्रतिवादी द्वारा प्रश्नगत मकान वादी को किराये पर दिया गया था और इस प्रकार वादी विवादित मकान का किरायेदार है। धारणा के अनुसार यद्यपि स्वीकार नहीं है, वादी एक अनुमतिधारी (licence) है, प्रतिवादी द्वारा कानून को अपने हाथ में नहीं लिया जा सकता और विवादित मकान से बलपूर्वक वादी को बेदखल नहीं किया जा सकता। इस तथ्य की पुष्टि की जाती है कि प्रतिवादी मकान मालिक है जिसके द्वारा वादी को मकान, मासिक किराये पर जो कि वाद पत्र में दर्शाया गया है, दिया गया है। यह कहना गलत है कि वादी को अनुमतिधारी (licence) के रूप में पदासीन किया गया था । वास्तव में वादी एक किरायेदार के रूप में है। यह निवेदन है कि प्रतिवादी को किसी प्रकार से भी वादी को बलपूर्वक बेदखल करने का अधिकार नहीं है। मकान पर वादी का पूर्णतया स्वयं का कबजा है। मकान का ताला और कुंजी भी वादी के पास हैं और प्रतिवादी बलपूर्वक वादी को बेदखल नहीं कर सकता। यह कहना भी गलत है कि प्रतिवादी को मकान में प्रवेश करने और वादी की निजता में बाधा डालने का अधिकार है। संविदा का कथित वाक्यांश अनावश्यक है जो बे नतीजा है।
7. यह कि जवाब दावे का पैरा 7 का उत्तर दिया जाना आवश्यक नहीं है।
8. यह कि जवाब दावे का पैरा नंबर 8 गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र का तदनुरूपी पैरा सही है जिसकी पुष्टि की जाती है। प्रतिवादी को विधि की प्रक्रिया के अतिरिक्त विवादित मकान से वादी को बेदखल करने का कोई अधिकार नहीं है।
9. यह कि जवाब दावे का पैरा 9 गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र का तदनुरूपी परा सही है जिसकी पुष्टि की जाती है। यह पुष्टियुक्त है कि वादी की सेवायें गलत तरीके से समाप्त की गई हैं और प्रतिवादी को विवादित मकान से बलपूर्वक बेदखल करने का कोई अधिकार नही है.
10. यह कि जवाब दावे का पैरा नंबर 10 गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र का तदा पैरा सही है और पुष्टियुक्त है।
11. यह कि जवाब दावे का पैरा नंबर 11 उस सीमा तक जहाँ तक यह तदनुरूपी स्वीकार करता है उत्तर देने की आवश्यकता नहीं है जबकि अन्य आरोप अस्वीकार है । वाम तदनुरूपी पैरा सही है और पुष्टियुक्त है।
12. यह कि जवाब दावे का पैरा नंबर 12 गलत है जो अस्वीकार है । वाद पत्र का तदनुरूपी पैरा सही है और पुष्टियुक्त है।
13. यह कि जवाब दावे का पैरा नंबर 13 गलत है जो अस्वीकार है। वाद पत्र का तदनुरूपी पैरा सही है और पुष्टियुक्त है।
14. यह कि जवाब दावे का पैरा नंबर 14 गलत है जो अस्वीकार है। वाद पत्र का तदनुरूपी पैरा सही है और पुष्टियुक्त है।
15. यह कि जवाबदावे का पैरा नंबर 15 गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र का तदनरूपी पैरा सही है और पुष्टियुक्त है।
16. यह कि जवाबदावे का पैरा नंबर 16 गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र का तदनुरूपी पैरा सही है और पुष्टियुक्त है।
17. यह कि जवाबदावे का पैरा नंबर 17 का उत्तर देना आवश्यक नहीं है।

**प्रार्थना**

जवाबदावे की प्रार्थना का वाक्यांश गलत है जो अस्वीकार है और वाद पत्र का तदनुरूपी पैरा सही है और पुष्टियुक्त है।

इसलिए यह प्रार्थना की जाती है कि वाद पत्र में जो याचना की गई है वह वादी के हित में और प्रतिवादी के विरुद्ध स्वीकार की जाये।

**स्थान........ दिनांक……… प्रार्थी ............**

**द्वारा अधिवक्ता......**

**सत्यापन**

आज दिनांक ............. को ............ में यह सत्यापित किया जाता है कि प्रति उत्तर का पैरा 1 से 14 गुण दोष के आधार पर मेरी जानकारी में सत्य हैं और पैरा 15 से 17 तक गुणदोष और मूल आपत्तियों के आधार पर प्राप्त सूचना और विश्वास में सही हैं । अंतिम पैरा इस मान्य न्यायालय से प्रार्थना है।

**स्थान ............ दिनांक ........ .............. प्रार्थी/वादी**